चित्रकोट, तीरथगढ़ में सस्ते कॉटेज बनने से आम पर्यटको का आकर्षण बढ़ेगा

✷ ग्रामीणों द्वारा संचालित होम स्टे पड़ रहे हैं भारी

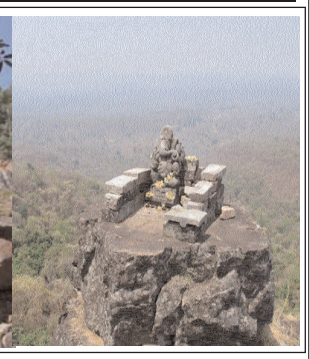

जगदलपुर, 25 फरवरी (दण्डकारण्य समाचार) । बस्तर संभाग के पर्यटन स्थल बाहर से आने वाले सैलानियों को भारी पड़ रहे हैं। पर्यटन स्थलों में रुकने खाने की सुविधायें काफी महंगी हैं। आम पर्यटक यहां कुछ दिन बिताने का साहस नहीं जुटा पाते। लिहाजा पर्यटकों को बस्तर की ओर आकर्षित करने के लिए अभी बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। बस्तर संभाग में पर्यटन और धार्मिक आस्था के लिहाज से अपार संभावनाएं हैं। यहां चित्रकोट वाटर फॉल, तीरथगढ़ वाटर फॉल, दंतेश्वरी मंदिर दंतेवाड़ा, केशकाल घाटी, कोरली का इंद्रावती व्यू पॉइंट, ढोलकाल की गणेश मूर्ति। बारसूर की विशाल गणेश प्रतिमा, सुकमा जिले का रामा राम मंदिर , मामा -भांजा मंदिर, 32 खंबा शिव मंदिर जैसे दर्जनों दर्शनीय स्थल हैं। इन स्थलों पर आम पर्यटकों के ठहरने के लिए सुविधापूर्ण और सस्ती आरामगाह नहीं है। चित्रकोट, तीरथगढ़ में पर्यटन मंडल के कॉटेज तथा स्थानीय ग्रामीणों द्वारा संचालित होम स्टे हैं, मगर ये इतने महंगे हैं कि आम सैलानी यहां ठहर ही नहीं सकते। कॉटेज और निजी होम स्टे का किराया बहुत ज्यादा है और वहां भोजन भी महंगा है। ऐसे में जिला पंचायत के माध्यम से हर दर्शनीय स्थल पर सुविधापूर्ण और सस्ते कॉटेज बनाए जाने की जरूरत है, ताकि इन स्थानों पर ज्यादा से ज्यादा पर्यटक आ सकें।

सस्ते सुलभ इंतजाम जरुरी

बस्तर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आम सैलानियों को सुविधा उपलब्ध कराना पहली आवश्यकता है। बस्तर के पर्यटन स्थलों में पर्यटकों के ठहरने और भोजन के लिए सस्ती और सुलभ व्यवस्था नहीं है। जो निजी व्यवस्थाएं हैं, वे काफी महंगी हैं। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के कॉटेज और ग्रामीणों द्वारा संचालित होम स्टे का किराया बहुत ज्यादा है। भारी भरकम किराया वहन कर पाना मध्यम वर्ग और निम्न मध्यम वर्ग के बूते की बात नहीं है। इसलिए हर दर्शनीय स्थल पर अगर कम से कम 10 -15 कमरों वाला विश्राम स्थल बनवाया जाए। वहां पार्किंग व्यवस्था भी हो। इन विश्राम स्थलों में सोलर एनर्जी का उपयोग कर बिजली की व्यवस्था की जा जाए, सोलर एनर्जी से मोटर पंप चलाकर वहां जलापूर्ति भी की जा जाए तो एक ओर जहां विश्राम स्थलों पर अतिरिक्त खर्च से बचा जा सकता है, वहीं सस्ता विश्राम गृह बनने से आम लोगों को राहत मिलेगी। साथ ही बस्तर के पर्यटन स्थलों तक ज्यादा से ज्यादा सैलानी पहुंच रात्रि विश्राम भी कर पाएंगे। बस्तर का पारंपरिक बाजार और व्यंजनों का कारोबार बढ़ेगा। परिवहन सुविधा का विस्तार होगा। स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा तथा क्षेत्र विशेष की पारंपरिक वस्तुओं काष्ठ शिल्प, टेराकोटा शिल्प, बांस शिल्प की वस्तुओं की बिक्री भी बढ़ेगी। इन विश्रामस्थलों के संचालन का दायित्व महिला स्व सहायता समूहों को दिया जा सकता है। इससे ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकेंगी।

युवाओं को मिलेगा रोजगार

सस्ते और सुलभ विश्रामस्थल बनने से बाहरी पर्यटक यहां ज्यादा दिन ठहर पाएंगे और बस्तर के ज्यादा से ज्यादा दर्शनीय स्थलों का आनंद उठा पाएंगे। युवकों को गाइड का काम मिलेगा। यहां के नए पर्यटन स्थलों की पूछ परख बढ़ेगी। जैसा ढोलकल के बाद अब लोग कोरली और तिरिया पहुंचने लगे हैं। नागरिकों का सुझाव है कि इस दिशा में जिला पंचायत को काम करना चाहिए।

जमा-ऋण अनुपात के आधार पर कृषि क्षेत्र सहित अन्य विकासात्मक सेक्टर में ऋण वितरण को दें बढ़ावा - कलेक्टर

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक जगदलपुर के संचालक मण्डल की हुई बैठक

✷ ब्याज दर में संशोधन सहित बैंक की सेवाओं को बेहतर बनाने पर बल

जगदलपुर, 25 फरवरी (दण्डकारण्य समाचार) । कलेक्टर एवं प्राधिकृत अधिकारी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक विजय दयाराम के. ने कहा कि पूरे बस्तर अंचल के ग्रामीण इलाकों में बैंकिंग सेवाएं देने वाली बैंक द्वारा अपने जमा-ऋण अनुपात के आधार पर प्राथमिकता क्षेत्र कृषि एवं कृषि के आनुषांगिक गतिविधियों सहित अन्य विकासात्मक सेक्टर में ऋण वितरण को बढ़ावा देवें। बैंक द्वारा अपने व्यवसाय के विस्तार की दिशा में लम्बी अवधि के लिए हाउसिंग बोर्ड सहित नगर निगम, स्थानीय निकाय को मकान एवं दुकान निर्माण करने ऋण उपलब्ध कराया जाए। वहीं सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में बैंक द्वारा निवेश कर आय बढ़ाने पहल किया जाए। कलेक्टर ने डिफॉल्टरों से ऋण की अनिवार्य तौर पर वसूली किये जाने पर बल देते हुए अन्य ऋण वसूली पर ध्यान देने भी कहा। कलेक्टर मंगलवार को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक जगदलपुर के संचालक मण्डल की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। बैठक में बैंक की ब्याज दर में संशोधन सहित बैंक की सेवाओं को बेहतर और सुदृढ़ करने पर विस्तृत चर्चा कर विभिन्न निर्णय लिया गया और संचालक मण्डल में अनुमोदन किया गया।

छात्रों ने गांव को दिया स्पेशल गिफ्ट, अब गर्मी में पानी की कमी होगी दूर

✷ स्कूल से विदाई के दिन नाच-गाने की जगह किया श्रमदान

जगदलपुर 25 फरवरी (दण्डकारण्य समाचार) । छग माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित 12 वीं कक्षा की परीक्षा मार्च से शुरू होनें जा रही है। 11 वीं जूनियर के छात्रों ने 12 वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं को स्कूल से विदाई दी गई। विदाई समारोह को यादगार मनाने के साथ गांव में पेयजल की समस्या से निजात दिलाने गांव के छात्रों ने अपने ही गांव की तस्वीर बदलने की ठानी और विदाई के मौके पर अपने गांव और घर में पानी की किल्लत को दूर करने के लिए गांव में छोटे-छोटे 6 स्टॉप डेम बनाने का काम एक दिन में पूरा किया।

बस्तर में गर्मी की शुरूआत के साथ गावों में अब भूगर्भ जलस्तर तेजी से नीचे जा रहा है। जिसकी वजह से हेडपंप और पाइप लाइन से पानी पहुंचना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में गांव में घर की माता-बहनों को पीने के पानी के लिए भटकना पड़ता है। बच्चों ने उनकी परेशानी दूर करने की कोशिश की है। 12 वीं के छात्र-छात्राओं को विदाई कार्यक्रम पर नाच गाने करने के बजाय गांव में पानी की किल्लत को दूर करने का निर्णय लिया। जूनियर और सीनियर छात्र-छात्राओं ने विदाई समाहरोह के दिन करीब 35 बच्चों ने मिलकर श्रमदान किया और एक ही दिन में गांव में अलग-अलग जगहों पर 6 स्टॉप डेम तैयार कर दिए है।

बच्चों की मेहनत लाई रंग, जमा होने लगा पानी

जिन जगहों पर 6 छोटे-छोटे स्टॉप डेम को बनाया गया है। वहां धीरे-धीरे पानी जमा होने लगा है, काम के बाद स्टॉप डेम में पानी का स्तर जैसे-जैसे बढ़ने लगा सभी बच्चों के चेहरे पर खुशी की लहर नजर आने लगी। बच्चों का कहना है कि उनकी मेहनत रंग लाई है। 12वीं के बच्चों ने आगे भी राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय सेवा योजना के साथ सक्रिय रहकर कार्य करने का निश्चय किया।

शिक्षक से मांगी मदद से तैयार किए स्टॉप डेम

गांव में पानी की समस्या देख बच्चों ने स्कूल के शिक्षकों से मदद मांगी, शिक्षकों ने भी देर नहीं की और उनकी मदद की। समास्या को देखते हुए पहले जगह चयनित की गई। फिर प्लास्टिक बोरों में रेत भरकर नदी किनारे ले जाया गया। बच्चों की टीम बनाकर हर बच्चे को दो बोरे में मिट्टी और रेत का मिश्रण मिलाकर भरकर सीलने को कहा गया। इस तरह 54 बोरे भरकर जमा हो गए, इन बोरों से 6 जगहों पर पानी पर्याप्त मात्रा में रोका जा सकता है।

लेखा प्रशिक्षण परीक्षा में 61 प्रतिशत परीक्षार्थी हुए उत्तीर्ण

जगदलपुर, 25 फरवरी (दण्डकारण्य समाचार) । शासकीय लेखा प्रशिक्षण का संचालन संचालनालय कोष लेखा के द्वारा किया जाता है। यह प्रशिक्षण एक वर्ष में 3 सत्रों में संचालित होता है। इस प्रशिक्षण शाला में 03 वर्ष की सेवाएं पूर्ण कर चुके सहायक वर्ग ग्रेड-03 या लिपिकीय वर्ग के द्वारा प्रवेश लिया जाता है।

इस प्रशिक्षण की परीक्षा में प्रथम अवसर में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण होने वाले परीक्षार्थी को संबंधित विभाग की ओर से एक अग्रिम वेतन वृद्धि का लाभ दिया जाता है। प्रशिक्षण सत्र नवंबर-2023 से फरवरी-2024 (संशोधित दिसंबर 2023) का परीक्षा परिणाम जारी किया गया है। संयुक्त संचालक कोष-लेखा एवं पेंशन जगदलपुर से मिली जानकारी अनुसार उक्त लेखा प्रशिक्षण परीक्षा में शामिल कुल 242 परीक्षार्थियों में से 152 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। जिसमें रायपुर से 37, बिलासपुर 34, जगदलपुर से 43 और अंबिकापुर केन्द्र से 38 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं।

निर्दोष ग्रामीणों की हत्याओं की अवोम ने की निंदा

जगदलपुर 25 फरवरी (दण्डकारण्य समाचार) । एसोसिएशन फॉर विक्टिम्स ऑफ माओवादी (अवोम) ने निर्दोष ग्रामीणों की हत्याओं की निंदा है। सुकमा क्षेत्र के दो गांव वालो, कुहरामी सुक्का और सोडी हुंगा की हत्याओं की विज्ञप्ति जारी कर कड़ी आलोचना किया है, जिन्हें पिछले 3-4 दिनों में लाल सलाम वालो ने फोर्स का मुकबिर बता के मार डाला। पिछले कुछ महीनों में, ऐसे ही बहोत सारे निर्दोषों की जान ली गई है। किसी को भी पुलिस का साथी या कंपनी वालो का दलाल बता के मारा जा रहा है। फोर्स वाले जैसे जैसे अपना कैंप खोल रहे है, लाल सलाम वालो को डर लग रहा है की अब उनका राज खतम होने वाला है। इसलिए वो लोग गांव वालो को मार के दहशत फैलाना चाहते है। पर जब भी कोई कैंप खुलता है गांव वालो को चाहते ना चाहते हुए भी फोर्स वालों का मदद करना पड़ता है। और ये बात लाल सलाम वालो को समझ नही आती। इन हत्याओं के पीछे के सच को समझे और अपनी आखें खोले। अवोम इन सारी हत्याओं के लिए न्याय की मांग करता है।

कलेक्टर ने एसएलआरएम सेंटर की गतिविधियों का किया निरीक्षण

✷ पूर्व निरीक्षण के निर्देश पर किए क्रियान्वयन का लिया जायजा

जगदलपुर, 25 फरवरी (दण्डकारण्य समाचार)। कलेक्टर विजय दयाराम के. शुक्रवार को शहर के लालबाग, अवंतिका कालोनी स्थित एसएलआरएम सेंटर की गतिविधियों का निरीक्षण किया। उनके द्वारा पूर्व निरीक्षण के दौरान दिए निर्देश पर सेंटर में किए क्रियान्वयन का जायजा लिया। सेंटर की व्यवस्थाओं में हुए सुधार को और बेहतर करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्व सहायता समूह द्वारा घरों से कचरा एकत्र करने के दौरान रहवासियों से गीला और सूखा कचरा को अलग-अलग देने पर जोर देने कहा। कलेक्टर ने एसएलआरएम सेंटरों से सूखा कचरा, सिंगल उपयोग प्लास्टिक, थर्माकोल, शू-मटेरियल, टायर आदि को गाड़ियों के माध्यम से उठाव करवाकर एमआरएफ सेंटर (समृद्धि) भिजवाने के निर्देश दिए।

उन्होंने सभी सेंटरों से रूटीन में वाहनों से सामग्रियों का उठाव करवाने के लिए संबंधितों को निर्देशित किया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री हरेश मंडावी सहित नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय द्वारा पी-एच.डी. प्रवेश परीक्षा तिथि में वृद्धि

जगदलपुर, 25 फरवरी (दण्डकारण्य समाचार)। पी-एच.डी. प्रवेश परीक्षा, 2023 में सम्मिलित होने के लिये बस्तर क्षेत्र के आवेदकों एवं नेट/सेट/जे.आर.एफ. परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके अभ्यर्थियों की माँग को दृष्टिगत रखते हुये पोर्टल में ऑनलाईन पंजीयन एवं आवेदन करने तथा ऑनलाईन शुल्क भुगतान करने तथा पूर्व निर्धारित तिथियों में पोर्टल में ऑनलाईन पंजीयन कर चुके आवेदकों को ऑनलाईन शुल्क भुगतान करने के साथ आवेदन करने की प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुक्रम में विश्वविद्यालय के पोर्टल 222.ड्ड11द्धस्रश्चद्ग×ड्डद्ब.द्बठ्ठ में ऑनलाईन पंजीयन एवं आवेदन करने तथा ऑनलाईन शुल्क भुगतान करने की तिथि में पुनः वृद्धि करते

ऑनलाइन पंजीयन एवं आवेदन करने 24-02-2024 से 29-02-2024 तक ऑनलाईन शुल्क भुगतान करने की तिथि और ऑनलाईन पंजीयन एवं आवेदन करने पश्चात् 24 से 1 मार्च तक त्रुटि सुधार करने की तिथि है। विश्वविद्यालय द्वारा पी-एच.डी. प्रवेश परीक्षा, 2023 हेतु जारी की गई समय सारिणी 21 फरवरी के अनुसार चूंकि रसायनशास्त्र विषय में पी-एच.डी. प्रवेश परीक्षा आयोजित नहीं किया जा रहा है। अतः रसायनशास्त्र विषय में पी-एच.डी. प्रवेश परीक्षा हेतु उपरोक्तानुसार निर्धारित तिथि में पोर्टल में ऑनलाईन पंजीयन एवं आवेदन नहीं कर सकेंगे।

विश्वविद्यालय द्वारा जारी 14 अगस्त के अनुसार पी-एच.डी. प्रवेश परीक्षा, 2023 हेतु अनुसार शेष निर्देश यथावत रहेगा।

20 हजार महिलाओं का बैंक अकाउंट आधार कार्ड से लिंक नहीं

✷ महतारी वंदन योजना फार्म पोर्टल में ऑनलाइन एंट्री के बाद मिली जानकारी

जगदलपुर 25 फरवरी (दण्डकारण्य समाचार)। महतारी वंदन योजना के तहत आवेदन करने वाली जिले के लगभग 20 हजार महिलाओं का बैंक अकाउंट आधार कार्ड से लिंक नहीं है। इसमें ब्लॉक के शहरी महिलाएं भी बड़ी संख्या में शामिल है। जब पोर्टल में ऑनलाइन एंट्री की गई, तब यह जानकारी हुई। इस स्थिति में संबंधित खाते में राशि भुगतान को लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है। खाते को लिंक कराने बड़ी महिलाए बैंक की चक्कर लगा रही है।

पोर्टल में ऑनलाइन एंट्री के बाद बैंक अकाउंट आधार कार्ड से लिंक नहीं होने की जानकारी मिलने के बाद महिलाओं को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व ग्राम पंचायत के सचिव सूचना दे रहे है। सोमवार तक बैंक पहुंचकर आधार कार्ड से खाते को लिंक करवा लें ताकि शासन की योजना का लाभ मिल सकें। दरअसल 5 मार्च को राशि भुगतान किया जाएगा। इसके पहले जिला स्तर पर आधार लिंकिंग कार्य पूरा करवाना चाह रहे है। विभागीय अफसर व पंचायत सचिवों का कहना है कि जब शिविर का आयोजन हुआ था, तब महिलाओं को सूचना दी गई थी कि आवेदन करने के दौरान उसी बैंक अकाउंट नंबर का उल्लेख करना है, जो आधार कार्ड से लिंक है। वर्तमान में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व पंचायत सचिव आवेदन के आधार पर महिलाओं को सूचना दे रहे है कि जल्द बैंक पहुंचकर लिंक कार्य करवा लें ताकि शासन स्तर से निर्धारित समय पर राशि मिल सकें।

पात्रता की श्रेणी में रहेंगी महिलाएं

शुक्रवार को महतारी वंदन योजना के तहत पात्र व अपात्र महिलाओं की पहली सूची जारी कर दी गई है। अफसरों का कहना है कि भले ही बैंक अकाउंट आधार कार्ड से लिंक नहीं हुआ है, फिर भी ऐसे महिलाओं को पात्रता की श्रेणी में रखा गया है। महिलाओं को घबराने की जरूरत नहीं है, सिर्फ लिंक कराने के लिए कहा गया है।

आम के बौर में चूर्णी फफूंदी का प्रकोप, फसल को पहुंच रहा नुकसान

जगदलपुर 25 फरवरी (दण्डकारण्य समाचार)। बस्तर में बार-बार बादल की वजह से इस साल वातावरण में नमी अधिक है। इसका असर आम के उत्पादन पर पड़ सकता है। आम में भभूतिया रोग के लक्षण दिखाई पड़ रहे हैं। चूर्णी फफूंद आम के बौर में लग गए हैं। यह फफूंद आम के बौर को नष्ट कर देंगे। इससे आम का फलन बहुत कम हो पाएगी। कृषि वैज्ञानिको ने किसानों को सलाह जारी कर जल्द से जल्द बौर पर दवा के छिड़काव करने को कहा गया है। यदि उत्पादक किसानों ने समय पर इसमें ध्यान नहीं दिया तो इस साल आम उत्पादन के लाभ से वंचित रह सकते हैं।

जिले में करीब 70-75 हजार टन देशी आम का उत्पादन होता है। आम के उत्पादन का अच्छा खासा लाभ ग्रामीण हर साल उठाते हैं। यह न सिर्फ उत्पादक किसान बल्कि आसपास के मजदूरों के लिए अब अतिरिक्त आय का प्रमुख जरिया है। इस साल मौसम आम के उत्पादन के लिए सही नहीं है। आम के पेड़ों में बौर तो आ गए हैं, पर बार-बार बादल की वजह से बौर से फल बहुत कम तैयार हो पाए हैं। सामान्य तौर पर बसंत माह में ही बौर में फल आने भी शुरू हो जाते हैं। नमी की अधिकता की वजह से चूर्णी फफूंद लगने की वजह से नुकसान हो रहा है। इससे इस साल देसी आम के स्वाद जिलेवासी कम ले पाएंगे। क्योंकि बागान के पेड़ों में लगे बौर का उपचार तो कर लिया जाएगा, पर जंगल व सार्वजनिक स्थानों पर लगे आम के पेड़ में चूर्णी फफूंद का उपचार नहीं हो पाएगा।

ऐसे करें चूर्णी फफूंद का उपचार

केवीके वैज्ञानिको के अनुसार चूर्णी फफूंद के उपचार के लिए बॉविस्टिन 1.5 ग्राम अथवा सल्फेक्स 3 ग्राम अथवा कापर आक्सीक्लोराइड 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में लेकर घोल बनाएं। इस घोल को आम के बौर के ऊपर छिड़काव करना है। जिन पेड़ों के बौर में फफूंद नहीं दिख रहे हैं, वे भी इस घोल का छिड़काव सावधानी के तौर पर सकते हैं। बौर की स्थिति को देखते हुए किसान एक से अधिक बार भी इस घोल का छिड़काव करें। इसमें देर न करें, अन्यथा बौर के खराब होने का खतरा है।

दूसरे राज्यों में भी भेजा जाता है अमचूर

जिले के बागान से भरपूर मात्रा में होने वाले देशी आम को ग्रामीण अमचूर बना कर हाट-बाजार और मंडी में लेजाकर बेचते है। अमचूर को बस्तर के व्यापारी दूसरे राज्यों में बेचते हैं। किसानों के अनुसार अमचूर के अच्छे दाम मिलते हैं। आम की वजह से मजदूरों को करीब एक माह तक काम मिलता है। हर साल 50-60 हजार टन अमचूर बेचते है।